Table of Contents

1. आओ बच्चो तुम्हें दिखाएँ झाँकी हिंदुस्तान की

आओ बच्चो तुम्हें दिखाएँ झाँकी हिंदुस्तान की

यह कविता "आओ बच्चो तुम्हें दिखाएँ झाँकी हिंदुस्तान की" प्रसिद्ध कवि प्रदीप द्वारा रचित है। यह कविता भारत के विभिन्न भागों की वीरता, बलिदान और गौरव की झाँकी प्रस्तुत करती है। कवि ने देश के विभिन्न क्षेत्रों, उनके इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को सुंदरता से चित्रित किया है।

मुख्य बिंदु

- देश के विभिन्न भागों का वर्णन: उत्तर, दक्षिण, राजस्थान, मराठा क्षेत्र, बंगाल आदि।
- देशभक्ति और बलिदान की भावना।
- स्वतंत्रता संग्राम के महत्वपूर्ण स्थल और घटनाएँ जैसे जलियाँवाला बाग।
- देश के वीरों और उनके संघर्ष का गौरव।
- काव्य में "वंदे मातरम्" का बार-बार आवृत्ति।

पाठ्य प्रमाण / उदाहरण

"इस मिट्टी से तिलक करो ये धरती है बलिदान की"
"जलियाँवाला बाग ये देखो, यहीं चली थी गोलियाँ"
"शेर शिवाजी ने रखी थी लाज हमारी शान की"

हल किए गए उदाहरण

प्रश्न: कविता में "वंदे मातरम्" का क्या महत्व है?
उत्तर: "वंदे मातरम्" देशभक्ति का प्रतीक है जो देश के प्रति सम्मान और प्रेम को दर्शाता है। यह कविता में बार-बार दोहराया गया है ताकि देशभक्ति की भावना को प्रबल किया जा सके।

अभ्यास प्रश्न

स्तर 1 – सरल

- कवि प्रदीप कौन थे?
- कविता में किस देश के भागों का वर्णन है?
- "वंदे मातरम्" का अर्थ क्या है?

स्तर 2 – मध्यम

- कविता में राजस्थान का क्या महत्व बताया गया है?
- जलियाँवाला बाग की घटना का संक्षिप्त वर्णन करें।
- कविता में देशभक्ति की भावना कैसे व्यक्त हुई है?

स्तर 3 – कठिन

- कविता के माध्यम से कवि ने भारत के इतिहास और संस्कृति को कैसे प्रस्तुत किया है? विस्तार से लिखिए।
- कविता में प्रयुक्त काव्य अलंकारों का उदाहरण देकर व्याख्या करें।

उत्तर कुंजी

- कवि प्रदीप एक प्रसिद्ध हिंदी कवि थे जिन्होंने देशभक्ति की कविताएँ लिखीं।
- कविता में भारत के विभिन्न भागों जैसे उत्तर, दक्षिण, राजस्थान, मराठा क्षेत्र, बंगाल का वर्णन है।
- "वंदे मातरम्" का अर्थ है "मैं मातृभूमि को प्रणाम करता हूँ"।
- राजस्थान को वीरता और बलिदान की भूमि बताया गया है जहाँ तलवारों पर जीवन काटा गया।
- जलियाँवाला बाग में अंग्रेजों ने निर्दोष लोगों पर गोली चलाई थी जो स्वतंत्रता संग्राम का महत्वपूर्ण क्षण था।
- देशभक्ति की भावना कविता में बार-बार "वंदे मातरम्" के माध्यम से प्रकट हुई है।
- काव्य अलंकार जैसे अनुप्रास (शब्दों की पुनरावृत्ति), रूपक (प्रतिमाएँ) आदि का प्रयोग हुआ है।

त्वरित संदर्भ

- देशभक्ति की कविता
- भारत के विभिन्न भागों का गौरव
- स्वतंत्रता संग्राम के महत्वपूर्ण स्थल
- बलिदान और वीरता की भावना

शब्दावली

- झाँकी – चित्र या दृश्य
- तिलक – सम्मान या प्रतीक के रूप में माथे पर लगाया जाने वाला चिन्ह
- बलिदान – अपने लिए कुछ त्याग देना, खासकर जीवन का त्याग
- वंदे मातरम् – मातृभूमि को प्रणाम
- परवतराज – पर्वतों का राजा, यहाँ हिमालय के लिए प्रयोग
- सम्राट – राजा या शासक
- प्रताप – वीरता और सम्मान
- इंकलाब – क्रांति
- बाजी – खेल या संघर्ष
- ज्वाला – आग